halarāvai dularaī malhāve joi soi kachu gāvai Bhajans Bhakti Songs

हरलवई दुलारि मालव
जाइ सोइ कछु गावै
जसोदा हरि पलने झुलवाई

मुझे यह पसंद नहीं है
कहेना सन्नी
t काहेना भीगी तो सवाई
को कोना बलावई

हरलवई दुलारि मालव
जाइ सोइ कछु गावै
जसोदा हरि पलने झुलवाई

कहबहु पलक हरि मोद हिय ha
कहबहु अधरा फरकवई
sovata jāni mauṅ भाई भाई राही
करि करि साय बटावे

हरलवई दुलारि मालव

जाइ सोइ कछु गावै
जसोदा हरि पलने झुलवाई

इहि अंतरा अकुलाई उहे हरि
जसुमति माधुरै गावै
जो सुख सुर अमरा मुनि दुरलभ
तो नंद भामिनी पर्व

हरलवई दुलारि मालव
जाइ सोइ कछु गावै
जसोदा हरि पलने झुलवाई

Source:
https://www.bharattemples.com/halaravai-dularaimalhavejoi-soi-kachu-gavai/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw